मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 164, मुंबई, बुधवार, 3 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

बढ़ रहा मंकीपॉक्स का ग्राफ

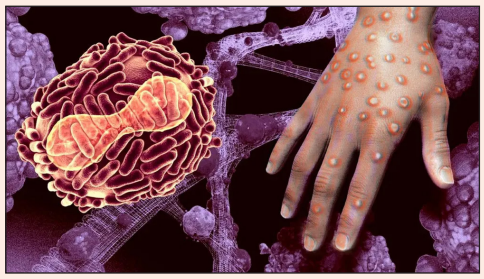

दिल्ली में आया तीसरा मामला

देश में अबतक 8 केस

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई/नई दिल्ली। देश में मंकीपॉक्स का ग्राफ धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का तीसरा मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में रह रहा एक नाइजीरियाई नागरिक मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के आधार पर कहा है कि ये दिल्ली का तीसरा मंकीपॉक्स का मामला है। इससे पहले दो और मामले सामने आ चुके हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

भारत सरकार मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट

जानलेवा इस वायरस मंकीपॉक्स को लेकर भारत सरकार अलर्ट मोड में आ चुकी है। वहीं, इस वायरस की निगरानी के लिए केंद्र सरकार ने टास्क फोर्स का गठन किया है। टीम का नेतृत्व नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल करेंगे और सदस्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, फार्मा और बायोटेक के सचिव शामिल होंगे।

77 देशों में मंकीपॉक्स का खतरा

मालूम हो कि इस खतरनाक बीमारी मंकीपॉक्स की चपेट में 77 देश आ चुके हैं। वहीं, दुनिया में करीब 20 हजार से ज्यादा मामले पाए गए हैं। यह जानलेवा बीमारी अफ्रीकी देशों में कहर बरसा चुका है। जिसके चलते वहां करीब 75 लोग जान गवां चुके हैं।

सावधान!

400 रुपए में बुक कर रही थी बर्थडे केक

लग गया 1.67 लाख का चूना

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक महिला के साथ 1.67 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। यह ठगी महिला से ऑनलाइन बर्थडे केक ऑर्डर करने के दौरान की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने 400 रुपए के बर्थडे केक का ऑनलाइन ऑर्डर करने की कोशिश की, लेकिन ऑर्डर तो नहीं हुआ। मगर महिला के साथ ठगी जरूर हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, एक साइबर ठग ने बेकरी का कर्मचारी बनकर 6 ऑनलाइन लेनदेन कर ठगी को अंजाम दिया है। खबर के मुताबिक, मामला मोशी इलाके का है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

संजय राउत की गिरफ्तारी के विरोध में राज्यसभा में नारेबाजी

संवाददाता / मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी का मुद्दा 2 अगस्त, मंगलवार भी राज्यसभा में गूंजा। राउत की गिरफ्तारी के विरोध में जोरदार नारेबाजी करते हुए कल शिवसेना के सांसदों ने राज्यसभा में हंगामा किया था। मंगलवार भी शिवसेना के सांसदों ने राउत की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया और इस पर चर्चा की मांग की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महंगाई के मुद्दे पर नारेबाजी, सभापति ने रोकी सदन की कार्यवाही

इस दौरान कुछ विपक्षी सांसदों ने महंगाई का मुद्दा जोर-शोर से उठाया और इस पर चर्चा की मांग की। इन दोनों मामलों को लेकर विपक्षी सांसद उत्तेजित हो गए सदन में हंगामा हो गया। इस वजह से सभापति ने आखिरकार सदन के कामकाज को थोड़ी देर के लिए स्थगित कर दिया। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजकर 8 मिनट से दोपहर 12 बजकर 52 मिनट तक रुकी रही।

क्या कांग्रेस छोड़ रहे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, अशोक चव्हाण ने दी सफाई

मुंबई। कांग्रेस नेता और महा विकास आघाड़ी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे और पूर्व में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने की चर्चा है। वे कांग्रेस पार्टी से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। उनके बीजेपी में जाने की जोरदार चर्चाएं शुरू हैं। यह खबर उनके चुनाव क्षेत्र नांदेड़ में पहले चर्चाओं में आई और धीरे-धीरे पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का मुद्दा बन गई। अब अशोक चव्हाण ने खुद अपने बीजेपी में शामिल होने की खबरों को लेकर सफाई दी है। अशोक चव्हाण ने अपनी सफाई में कहा है कि वो कांग्रेस छोड़ कर कहीं नहीं जा रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस ने भेजा था कारण बताओ नोटिस, इसी वजह से नाराज होने का जिक्र

बहुमत परीक्षण के समय अशोक चव्हाण समेत तीन विधायक देर से पहुंचे थे और वे वोट नहीं दे पाए थे। इसके बाद कांग्रेस ने पार्टी विरोधी कार्रवाई करने के मामले में अशोक चव्हाण को कारण बताओ नोटिस भेजा था। इसी वजह से अशोक चव्हाण अपनी पार्टी से नाराज बताए जा रहे थे और नांदेड़ में उनकी पार्टी छोड़ने की खबर की चर्चाएं जोर-शोर से शुरू थीं। ऐसे में अशोक चव्हाण ने अपनी सफाई देकर चर्चाओं को खत्म करने की कोशिश की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जरूरी फेरबदल

पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में होने जा रहा फेरबदल जितना स्वाभाविक है, उतने ही गहरे उसके निहितार्थ हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीम में चार नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, कुछ दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल से हटाकर पार्टी संगठन में भेज दिया जाएगा। यह फेरबदल वरिष्ठ मंत्री पार्थ चटर्जी के दुखद विवाद या नकदी कांड में फंसने के बाद अवश्यंभावी हो गया था। पार्थ चटर्जी को 23 जुलाई को जैसे ही गिरफ्तार किया गया, ममता सरकार के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। पश्चिम बंगाल सरकार की नैतिकता पर बडे.प्रश्न खडे.हो गए थे। किसी मंत्री से जुडे.ठिकानों पर इतनी बड़ी राशि का बरामद होना न केवल दुखद, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है। गौर करने की बात है कि पश्चिम बंगाल में 'कट मनी' को लेकर पहले से ही शिकायत थी, लेकिन चुनाव के बाद एक तरह से इस मामले को भुला दिया गया। संकेत यही मिला कि पश्चिम बंगाल में मंत्री भ्रष्टाचार से परहेज नहीं कर रहे हैं। नेताओं की कथनी-करनी का अंतर लोगों के सामने स्पष्ट हो गया है। पश्चिम बंगाल सरकार की छवि आम आदमी के अनुकूल रही है। यहां तक कि ममता बनर्जी को भी आम लोगों की जमीनी नेता ही माना जाता है। जब पार्टी के नाम में ही तृणमूल शब्द जुड़ा हो, तब लोगों की अपेक्षा भी बहुत बढ़ जाती है, लेकिन पार्थ चटर्जी कांड ने पार्टी के दामन पर गहरे दाग लगाए हैं। क्या आगामी फेरबदल से दाग धुल जाएंगे? गौर करने की बात है कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्हें अपने नए मंत्रिमंडल को न केवल ईमानदार रखना होगा, जनता के बीच यह साफ संदेश भी भेजना होगा कि उनकी सरकार ईमानदार है। पहले भी राज्यों में ऐसे बड़े क्षत्रप हुए हैं, जिनमें केंद्रीय राजनीति के लिए संभावनाएं देखी गई थीं, लेकिन ऐसे क्षत्रपों का आभामंडल स्थानीय स्तर पर ही समेटने में भ्रष्टाचार की बड़ी भूमिका रही है। केंद्रीय स्तर पर स्थापित होने के लिए पहले राज्य स्तर पर सुस्थापित होना पड़ता है। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री रहते अपनी छवि को एक विकास पुरुष के रूप में स्थापित किया था। ममता बनर्जी की छवि अपने राज्य में विकास के मोर्चे पर कैसी है? और ऊपर से उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप भारतीय राजनीति के लिए दुखद हैं। क्या तृणमूल के नेताओं को यह भ्रांति हो गई है कि जनता भ्रष्टाचार के आरोप को माफ कर देती है? गौर कीजिए, शारदा और नारदा जैसे मामलों के बावजूद तृणमूल चुनाव जीती है। यही नहीं, राज्य में इन घोटालों के कुछ आरोपी भाजपा में भी ससम्मान शामिल किए गए हैं। अतः पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार को लोग मुद्दा नहीं मानते। ममता बनर्जी के सामने ईमानदार मंत्रिमंडल के गठन की चुनौती दरअसल भारतीय राजनीति की चुनौती है। देश को ईमानदार मंत्रियों की जरूरत है। हम अच्छे से जानते हैं कि देश में धन-वर्षा हो रही है, पर यह वर्षा देश के विकास के लिए है, किन्हीं मंत्रियों के व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं। देश के अन्य मंत्रिमंडलों में भी अनेक पार्थ चटर्जी होंगे, जो यह भूल गए होंगे कि उन्हें क्यों चुनकर भेजा गया है। ऐसे मंत्रियों को चिह्नित करना होगा। मंत्रियों की ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की जरूरत है। अतः बंगाल ही नहीं, पूरे देश में ईमानदारी के अनुरूप फेरबदल समय की मांग है।

तुम मुझे यूं भुला ना पाओगे

भारत सरकार मोहम्मद रफी को भारत रत्न सम्मान दें: सैयद रिजवान अली

बाकानेर (इंदौर) प्रेस क्लब आफ वर्किंग जर्नलिस्ट कौमी एकता कमेटी परख साहित्य मंच , वाकानेर द्वारा मोहम्मद रफी कि 43 की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि खिराजे अकीदत पेश की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विश्वजीत सेन डॉक्टर ओम जोशी जितेंद्र कानूनगो,सैयद रिजवान अली, सैयद अशफाक बबलू, कमल अंबेडकर, काजी सैयद जुल्फिकार अली, असलम खान पठान साबरी, शेख सरवर, अंतिम सेन, राजकुमार पंजाबी, आरिफ कुरैशी, मोहम्मद अमजद मंसूरी , निमाड़ मालवा के प्रसिद्ध गायक शौकत मंसूरीआदि ने श्रद्धांजलि और खिराजे अकीदत पेश की शौकत मंसूरी को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार सैयद रिजवान अली ने कहा 31जुलाई जब भी आती है तो इस दिन सिर्फ एक ही शख्सियत का चेहरा आँखों के सामने घूमता है और वो चेहरा है आवाज के जादूगर, मौसिकी के शहंशाह, गीतों के मसीहा, प्लेबैक-गायकों के बादशाह, द-लीजेंड, महान, अमर और दुनिया के सबसे बड़े गायक मो. रफी साहब का, ये वो शख्सियत है जिसके बिना संगीत की कल्पना भी नही की जा सकती और 31 जुलाई 1980 को ये संगीत की दुनिया का सूरज हमेशा-हमेशा के लिए डूब गया था।

मो. रफी साहब का जन्म 24 दिसम्बर 1924 को पंजाब के सुल्तान सिंह में हुआ था रफी साहब को गाने का शौक बचपन से था बचपन मे एक फकीर के गाने को रफी साहब गाया करते थे उनके बड़े भाई ने जब अपने छोटे भाई रफी के गाने के शौक को देखा तो वो रफी साहब को संगीत के उस्तादों के पास संगीत की शिक्षा हासिल करवाने के लिए ले गए। इसके बाद लाहौर रेडियो स्टेशन में कुंदनलाल सहगल ने बिना माइक के गाने से मना कर दिया तो मो. रफी साहब ने उनके स्थान पर बिना माइक के लोगो के सामने गाया। लोगो को रफी साहब की आवाज बहुत पसंद आई और हजारो लोगो की भीड़ का शोर रफी साहब की आवाज के आगे थम गया। जब कुंदनलाल सहगल ने रफी साहब की आवाज सुनी तो रफी साहब को आशीर्वाद देते हुए सहगल ने कहा था एक दिन तुम मुझसे भी बड़े गायक बनोगे। कुंदनलाल सहगल की कही गई वो बात सच हो गई और मो. रफी साहब दुनिया के सबसे बड़े गायक बन गए। रफी साहब का फिल्मी संगीत सफर 1944 में प्रदर्शित हुई एक पंजाबी फिल्म गुलबलोच से शुरू हुआ। लेकिन रफी साहब को पहली सफलता 1947 में रिलीज हुई फिल्म जुगनू के लता मंगेशकर के साथ गाए गाने 'यहाँ बदला वफा का बे-वफाई के सिवा क्या है' से मिली रफी-लता का ये गाना बहुत हिट हुआ था और रफी साहब की आवाज को लोगो ने नोटिस किया था ऐसे ही रफी साहब की गाड़ी चल रही थी रफी साहब को उस दौर में एक या दो गाने मिलते थे संगीतकार नोशाद के प्रिय गायक तलत महमूद और मुकेश थे नोशाद फिल्म के पूरे गाने दूसरे गायकों से गवाते थे और एक गाना रफी साहब से गवाते थे फिल्म अनमोल-घड़ी का सिर्फ एक गाना ₹तेरा खिलौना टूटा बालक₹ नोशाद ने रफी साहब से गवाया और वो जबरदस्त हिट रहा। मेहबूब खान की फिल्म अंदाज के पूरे गीत मुकेश ने गाये जो अभिनेता दिलीप कुमार पर फिल्माए गए थे और एक गाना लता मंगेशकर और रफी साहब ने गाया था जिसे नरगिस और राज कपूर पर फिल्माया गया था गीत के बोल थे 'तेरी इसी अदा पे तो फिदा होते हैं' हिट रहा था इसके बाद दिलीप कुमार अभिनीत एक और सुपरहिट फिल्म मेला के सभी गीत मुकेश ने गए और एक गीत रफी साहब के हिस्से में आया और रफी साहब का गया गीत 'ये जिन्दगी के मेले, दुनिया मे कम ना होंगे अफसोस हम ना होंगे' बाकी सभी गीतों पर भारी पड़ा था और इसी गीत को लोगो ने सबसे ज्यादा पसंद किया था। फिर भी रफी साहब को जो मुकाम मिलना चाहिए था वो नही मिल पा रहा था फिर 1952 में आई एक आइकॉनिक म्यूजिकल फिल्म बैजू-बाबरा, इस फिल्म के गीतों ने पूरे देश मे तहलका मचा दिया था और रफी साहब की आवाज की दीवानगी लोगो पर सर चढ़कर बोल रही थी। नोशाद के संगीत से सजी बैजू-बाबरा के सभी गीत रफी साहब ने गाए और सारे गाने सुपरहिट साबित हुए, ओ दुनिया के रखवाले ने तो जैसे कहर ढा दिया था इतना लाउड और ऊंचे सुरों का गाना रफी साहब के अलावा आज तक कोई नही गा पाया। इसके अलावा दूर कोई गाए धुन ये सुनाए,/ तू गंगा की मौज में जमना का धारा/ झूले के पवन में आई बहार प्यार कर ले/ बचपन की मोहब्बत को दिल से ना जुदा करना और मन तड़पत हरि दर्शन को आज बहुत जबरदस्त हिट हुए थे इन गीतों के बाद फिर कभी रफी साहब ने पीछे मुड़कर नही देखा, एक युग और एकछत्र राज रफी के नाम का फिल्मी दुनिया मे स्थापित हो गया।

रफी साहब ने अपने दौर के लगभग सभी संगीतकारो के साथ एक से बढ़कर एक गीत गाकर उनके संगीत को अमर कर दिया। इनमें प्रमुख रूप से नोशाद, शंकर-जयकिशन, रवि, मदन मोहन, ओ-पी नैयर, सलिल चौधरी, चित्रगुप्त, एन दत्त, एस-एन त्रिपाठी, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, कल्याणजी-आनदजी, रोशन, एस-डी बर्मन, आर-डी बर्मन, राजेश रोशन, जयदेव, खय्याम जैसे संगीतकार है जिन्होंने रफी साहब की आवाज का बखूबी इस्तेमाल किया। इसी तरह अपने दौर के हर बड़े और छोटे अभिनेताओं के लिए भी रफी साहब ने गाया इनमें दिलीप कुमार, राजकुमार, देवानंद, मनोज कुमार, शम्मी कपूर, सुनील दत्त, शशि कपूर, जॉय मुखर्जी, विश्वजीत, धर्मेंद्र, जितेंद्र, राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, विनोद खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा, अनिल धवन, विजय अरोरा और अमिताभ बच्चन प्रमुख है इसके अलावा जॉनी वाकर के लिए भी रफी साहब ने उनकी स्टाइल के गीत गाए। मानो रफी साहब नही खुद जॉनी वाकर गा रहे हो। अभिनेता शम्मी कपूर तो अपने लिए किसी दूसरे गायक को पसंद ही नही करते थे उनकी शर्त होती थी मेरी फिल्मों में मेरे लिए सिर्फ रफी साहब ही गाएंगे।

रफी साहब की कुछ महतवपूर्ण फिल्में जिनके गीत खासे लोकप्रिय हुए उनमें, बैजू-बाबरा, आन, अमर, दीदार, कोहिनूर, नया दौर, मदर-इंडिया, दोस्ती, जंगली, राम और श्याम, ब्रह्मचारी, जब जब फूल खिले, जीने की राह, मेरे सनम, दो रास्ते, दूर की आवाज, तीसरी-मंजिल, मेरा साया, ताजमहल, शागिर्द, प्रोफेसर, काजल, हम दोनों, काला, बाजार, तेरे घर के सामने, आओ प्यार करे, प्रिंस, यादों की बारात, हम किसी से कम नही, अमर-अकबर-एंथोनी जैसी ना जाने कितनी फिल्मों के गीत आज भी रफी साहब की मीठी आवाज पाकर फिजाओ में गूंजते है। रफी साहब एक महान गायक तो थे ही साथ ही एक बहुत अच्छे इंसान भी थे मिलनसार, धीरे-धीरे बोलना, मंद-मंद मुस्कुराना लोगो की मदद करना ये रफी साहब की खास खूबी थी कई निमार्ताओं के लिए रफी साहब ने मुफ्त में गीत गाए और एक पैसा भी नही लिया। रफी साहब पैसे के पीछे कभी नही भागे। इसीलिए पैसों की रॉयल्टी के लिए लता मंगेशकर रफी साहब से झगड़ पड़ी थी। रफी साहब का कहना था की हमको हमारे गाने का पैसा मिल गया अब गाने हिट हो या फ्लॉप हमे क्या करना। वहीं लताजी का कहना था की गानों के हिट होने के बाद गीतों की रॉयल्टी का पैसा गायकों को मिलना चाहिए। ये बात रफी साहब को नागवार गुजरी और रफी साहब ने लताजी से कह दिया कि आज के बाद में तुम्हारे साथ नही गाऊंगा। कई सालों तक रफी साहब और लताजी ने साथ नही गाया। फिर अभिनेत्री नरगिस जी की पहल पर और संगीतकार शंकर-जयकिशन के मनाने के बाद दोनों फिल्म प्रोफेसर में साथ गाने को राजी हुए। रफी साहब ने लताजी के साथ सबसे ज्यादा गीत गाए। इसके अलावा आशा भोंसले, शमशाद बेगम, नूरजहाँ, सुरैया, गीता दत्त, सुलक्षणा पंडित, सुमन कल्याणपुर, मुकेश, किशोर कुमार, तलत महमूद, महेंद्र कपूर, शैलेन्द्र सिंह, और मन्नाडे के साथ भी बेहतरीन गीत गाए है।

संगीत जगत में रफी साहब के अमूल्य योगदान के बावजूद भारत-सरकार ने उन्हें भारत-रत्न नही दिया ये समझ से परे है और ना ही कोई राष्ट्रीय अवार्ड सरकार ने मो. रफी के नाम से शुरू किया है ये सरकार का रफी साहब के साथ अन्याय है सरकार अपनी ये भूल सुधारे और रफी साहब को भारत-रत्न देकर उनको सच्ची श्रद्धाजंलि दे। बहरहाल रफी साहब आज हमारे बीच नही है लेकिन उनके गाए हुए गीतों के जरिए वो हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। आज रफी साहब को इस दुनिया से गए 43 साल हो चुके है लेकिन उनके गीतों को सुनकर लगता ही नही है कि वो हमारे बीच मौजूद नही है ऐसे महान और अमर गायक को भारत सरकार भारत रत्न देकर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें हम तो बस इतना कहेंगे

ना फनकार तुझसा तेरे बाद आया,
मोहम्मद रफी तू बहुत याद आया...

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में ऑनलाइन ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय

बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा फोन कर सूचित करने के बाद युवती के अकाउंट से गुल हुए 28,600/-रुपए

शेख रूही बानो

जनता से निवेदन है कि सतर्क रहें अपना ओटीपी नंबर किसी से भी शेयर ना करें नहीं तो आपके अकाउंट से हो जाएंगे पैसे गुल

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जिस तरह से ऑनलाइन लेनदेन करना जितना आसान समझा जा रहा है दरअसल उसके परिणाम उतने ही दर्दनाक होते चले जा रहे हैं ऑनलाइन लेन देन से यह कहना उचित होगा कई प्रकार के लाभ देखने को मिल रहे हैं लेकिन ऑनलाइन ठगी करने वालों का गिरोह देश में सक्रिय होते हुए नजर आ रहा है और भोली भाली जनता के साथ उनके खातों से ऑनलाइन ठगी हैकर्स पैसे गुल कर रहे हैं ऐसा ही एक मामला युवती द्वारा की गई ऑनलाइन ठगी का मामला प्रकाश में आया है शेख रूही बानो अजीम अहमद वर्ष 27 रहवासी रूम नंबर 3 चाल नं 13/डी दि नवपाडा कोकणी जमात मस्जिद ट्रस्ट नवपाडा कौसर चौक बांद्रा मुंबई 400 051 से प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया की 30 जुलाई शनिवार को मुझे 11:22 मिनट पर मुझे कंपनी से मैसेज आया कि आपका बिल बकाया है और आपको यह मैसेज के माध्यम से सूचना दी जाती है आपकी घर की बिजली काट दी जाएगी यह मैसेज मुझे 97492 86675 यह नंबर से आया था उसके बाद मैंने तुरंत यह नंबर पर फोन लगाया मेरा फोन काट दिया गया उसके बाद मुझे 9865062861 यह नंबर से फोन आया और कहने लगा आपका घर का बिजली का बिल बकाया है फिर मैंने उससे कहा मेरा बिजली का बिल भरा हुआ है मैंने भरा हुआ बिजली के बिल की पावती यह नंबर पर व्हाट्सएप पर भेज दी फिर उसके बाद वह कहने लगा कि आपका जमा किया हुआ बिजली का बिल कंप्यूटर में बता नहीं रहा है आपको एक 20 रुपए का अपडेशन फॉर्म 9382981013 यह नंबर पर आप फॉर्म भर के भेज दो मैंने वह फॉर्म भर के मेरे माता पिता के नाम बिजली मीटर का कंजूमर नंबर मोबाइल नंबर फॉर्म भर के भेज दिया उसके बाद मुझे एक ओटीपी नंबर आया और फिर मैंने ओटीपी नंबर डालते ही मेरे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बैंक के खाते से दो मर्तबा लेनदेन करते हुए 28600/- मेरे खाते से निकाल लिए गए फिर उसके बाद मैंने जिस नंबर से मुझे फोन आया था उसपर मैंने लगातार फोन किया लेकिन वह नंबर बंद आ रहा था तभी मैं समझ गई कि मेरे साथ ऑनलाइन ठगी की गई है युवती ने बताया जो पैसा मेरे अकाउंट से ऑनलाइन ठगी करके निकाल लिया गया है दरसल वह रकम मैंने मेरे माता-पिता के उपचार के लिए रखी थी क्योंकि वह कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे हैं और मेरे घर की परिस्थिति भी बहुत खराब है हालांकि इस ऑनलाइन ठगी के मामले की पूरी शिकायत पत्र व्यवहार कर मुंब्रा पुलिस स्टेशन मे और पुलिस के आला अधिकारी को दी गई है और साथ साइबर सेल को भी इस ऑनलाइन ठगी की शिकायत की गई है और शिकायत पत्र में युवती द्वारा निवेदन किया गया है की कृपा जल्द से जल्द मेरी रकम वापस मुझे दिला दें क्योंकि वह रकम मेरे माता पिता के उपचार के लिए रखी गई थी यह ऑनलाइन ठगी जिस वक्त यह युवती द्वारा की गई थी उस वक्त वह मुंब्रा में अपने चाचा के घर आई थी और इसी कारण मुंब्रा पुलिस में शिकायत पत्र व्यवहार कर की गई हम देश की जनता से निवेदन करते हैं की कृपा फोन पर कोई भी आपसे आपका बैंक के खाते की जानकारी मांगे या अथवा कोई भी तरीका अपनाकर आपसे ओटीपी नंबर जानने की कोशिश करें तो किसी भी कीमत पर आप अपने बैंक के खाते की जानकारी और ओटीपी नंबर फोन पर किसी के साथ शेयर ना करें परिणाम दुखद हो सकते हैं और आपके खाते से यह शातिर ऑनलाइन ठगी हैकर्स पैसे निकालने में कामयाब हो सकते हैं।

3.5 करोड़ रुपये के हीरे चोरी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने साढ़े तीन करोड़ रुपये के कीमती पत्थरों की चोरी के मामले में दो हीरा दलालों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भरत कंडोल (39) को गुजरात से और अमृत भाई पटेल (58) को पश्चिमी उपनगर गोरेगांव से गिरफ्तार किया है, जबकि मामले का मास्टरमाइंड कौशिक चोवाटीला फरार है। अधिकारी के मुताबिक, मामले में 18 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी और दोनों को पिछले सप्ताह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस थाने के निरीक्षक राजेश गावली ने बताया, हमने दो आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 419 (प्रतिरूपण द्वारा छल करना) के तहत गिरफ्तार किया है।

दो नाबालिग बच्चियों से छेड़खानी के आरोप में वरिष्ठ नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में आठ से नौ वर्ष की दो बच्चियों के साथ छेड़खानी करने के आरोप में रविवार को एक वरिष्ठ नागरिक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चियों ने शनिवार को अपने माता-पिता को आप बीती सुनाई, जिसके बाद अनिल हाडकर (62) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, व्यक्ति अपने घर में बच्चियों के साथ छेड़खानी करता था। उसे दोनों बच्चों के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण कानून और भादसं के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बढ़ रहा मंकीपॉक्स का ग्राफ

बताया जा रहा है कि भारत में मंकीपॉक्स से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। आपको बता दें कि बीते सोमवार को ही दूसरा मामला प्रकाश में आया था। एक 35 साल का नाइजीरियाई व्यक्ति इस संक्रमण से संक्रमित मिला। नाइजीरियाई व्यक्ति पिछले पांच दिनों से बुखार से जूझ रहा था और उसके शरीर पर दाने भी मिले। जिसके चलते उसे दिल्ली के सरकारी अस्पताल एलएनजेपी में भर्ती कराया गया। बीते दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी मंकीपॉक्स को लेकर हेल्थ इमरजेंसी की घोषणा की थी।

संजय राउत की गिरफ्तारी के विरोध में राज्यसभा में नारेबाजी

लेकिन राज्यसभा के सभापति ने यह मांग ठुकरा दी। इसके बाद शिवसेना के सांसदों ने ईडी कार्रवाई के विरोध में राज्यसभा में जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इस विरोध में अन्य विपक्षी पार्टियों के सदस्यों ने भी उनका साथ दिया। इससे राज्यसभा में हंगामा हो गया। राज्यसभा के सभापति के लिए सदन के काम को सही तरह से अंजाम दने में मुश्किलें पेश आने लगीं। इस वजह से सभापति महोदय ने राज्यसभा के कामकाज को 50 मिनट के लिए रोक दिया। इस दौरान राज्यसभा में महंगाई का मुद्दा भी गूंजा। राज्यसभा का कामकाज शुरू होते ही सभापति वेंकैया नायडू ने हरियाणा से विजयी हुए बीजेपी के सदस्य कृष्णलाल पवार और कार्तिकेय शर्मा को सदस्यता की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने सदन के पटल पर कुछ दस्तावेज रखे। इस दौरान सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि उन्हें 267 के नियमों के मुताबिक कुछ नोटिस मिले हैं। उन्हें स्वीकार नहीं किया गया है। जिन सदस्यों ने ये नोटिस दिए हैं। वे अलग-अलग चर्चाओं के वक़्त अपने मुद्दे उठा सकते हैं। सभापति के मुताबिक ये नोटिस कांग्रेस के सदस्य केसी वेणूगोपाल, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के विनय विश्वम, आप के राघव चड्ढा, शिवसेना के अनिल देसाई और प्रियंका चतुर्वेदी ने दिए थे। सभापति नायडू को निवेदन देने के बाद शिवसेना के सदस्यों ने राउत पर ईडी की कार्रवाई को लेकर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की मांग की। लेकिन सभापति ने यह मांग ठुकरा दी। इससे शिवसेना के सांसद आक्रामक हो गए और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। शिवसेना की इस मांग का विपक्ष की अन्य पार्टियों ने भी समर्थन किया।

400 रुपए में बुक कर रही थी बर्थडे केक

यहां की निवासी एक महिला ने 4 मार्च को ऑनलाइन केक ऑर्डर करने के लिए इंटरनेट पर एक दुकान का नंबर मिला। जिसके बाद महिला ने उस नंबर पर केक ऑर्डर करने के लिए संपर्क किया। भोसरी एमआईडीसी पुलिस के मुताबिक, एक साइबर ठग ने दुकान का कर्मचारी बनकर महिला से ऑर्डर लिया। ठग ने 400 रुपए के भुगतान करने के लिए कहा। साथ ही महिला से उसके बैंक की डिटेल शेयर करने के लिए कहा। महिला को भुगतान करने में दिक्कत हुई। जिसके बाद ठग ने एक क्यूआर कोड शेयर किया। जैसे ही महिला ने कोड स्कैन किया तो उसके खाते से 2,000 रुपए कट गए। जांच अधिकारी एस पाटिल ने बताया कि महिला को रिफंड के रूप में केवल 10 रुपए मिले और तुरंत छह ऑनलाइन लेनदेन में, उसे 1.67 रुपए लाख का नुकसान हुआ। ठगी का अहसास होने पर महिला ने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 419,420 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (डी) के तहत धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी, पहचान की चोरी के लिए सजा और कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करके धोखाधड़ी के लिए सजा के आरोप में मामला दर्ज किया है।

क्या कांग्रेस छोड़ रहे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री

उन्होंने अपने बीजेपी में जाने की तैयारी की खबरों को आधारहीन और अफवाह बताया है। उन्होंने कहा है कि, इस तरह की चर्चाओं की कोई अहमियत नहीं है। इस तरह का कोई फैसला मैंने नहीं किया है। यह प्रतिक्रिया देकर अशोक चव्हाण ने बीजेपी में उनके शामिल होने की चचाओं को विराम देने की कोशिश की है। विधानसभा में शिंदे-फडणवीस सरकार के विश्वास मत प्रस्ताव में वे गैरहाजिर रहे थे। अपने धन्यवाद भाषण में देवेंद्र फडणवीस ने यह कह कर उनका आभार माना था कि, जो अदृश्य हाथ हमारे पीछे रहे, उनको भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। बाद में यह सफाई आई कि देर से पहुंचने की वजह से वे विश्वास मत प्रस्ताव के विरोध में वोट नहीं दे पाए। फिर ये सब जानते हैं कि राज्य में महा विकास आघाड़ी सरकार चली गई और शिंदे-फडणवीस की सरकार सत्ता में आई।

बालमुकुंद दुबे जी का सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई। हिंदी साहित्य परिषद द्वारा संचालित श्रीमती इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नालासोपारा के प्रधानाचार्य बालमुकुंद जगन्नाथ दुबे जी 30 वर्षों से अधिक की सेवा के पश्चात 31 जुलाई को सेवानिवृत्ति हुए। सेवा सम्पूर्ति सम्मान समारोह की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट एस के दुबे ने किया। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद से शिक्षा-दीक्षा प्राप्त कर परिषद के दिवस कालीन विद्यालय के साथ भारती विद्या मंदिर नाईट हाईस्कूल एवं जूनियर कालेज में लगभग पच्चीस वर्षों तक गरीब और जरूरत मंद विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान किया। इनके शिक्षा, साहित्य एवं सामाजिक सेवाओं के कारण गांधी विचार मंच द्वारा 'गांधी गौरव' सम्मान प्रदान किया गया। परिषद के संयुक्त मंत्री रमापति शुक्ल ने बालमुकुंद जी के सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास में दुबे जी का विशेष योगदान रहा है। वंश नारायण टिकोरी मिश्र जी ने इनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदानों पर प्रकाश डाला।

परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट एस के दुबे जी ने प्रधानाचार्य बालमुकुंद दुबे जी की सेवाओं और कार्य कुशलता को याद किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में परिषद के संयुक्त मंत्री रमापति शुक्ल, मानद मंत्री उषा शुक्ला, वसई विरार नगर पालिका के पूर्व सभापति बंस नारायण (टिकोरी) मिश्र, परिषद के शिक्षामंत्री संजय शुक्ल, सब टीवी ग्रुप के लीगल एडवाइजर विनोद पाठक, ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट के अध्यक्ष शम्भूनाथ मिश्र, वसई विरार नगर पालिका की पूर्व सभापति सरिता प्रमोद दुबे, पूर्व नगरसेवक सचिन देसाई, पूर्व सभापति नीलेश देशमुख, समाज सेवी हरिश्चंद्र दुबे, गांधी विचार मंच के महासचिव मिथिलेश मिश्र, शिक्षक नेता के पी चौहान, दुर्गाप्रसाद मिश्र, के डी शर्मा, अशोक पाठक, अशोक सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन माताचारण मिश्र ने किया। वरिष्ठ कवि रामसिंह, गजलकार विवेक सिंह, गीतकार जवाहरलाल निर्झर, गीतकार संजय दुबे ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत किया।

पैदल हज: 61वां दिन शीहाब पहुँचे खेरवाड़ा, उदयपुर होकर जाएंगे, एक साल तक चलेंगे पैदल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। केरल के मन्नापुरम क्षेत्र से पैदल हज यात्रा पर निकले 29 वर्षीय शीहाब चित्तूर खेरवाड़ा पहुंच चुके है। 8640 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर वे 2023 में हज में शामिल होंगे। जैसे जैसे वो अपने कदम आगे बढ़ा रहे है एक बड़ा कारवां उनके साथ चलने लगता है। गुजरात में उनके इस सफर का लोगों ने जगह जगह इस्तकबाल किया। शीहाब अब राजस्थान में एंटर हो चुके है। सुबह उन्होंने अपना सफर रतनपुर चेकपोस्ट से 4 किमी की दूरी पर स्थित आशीर्वाद होटल से शुरू किया। दोपहर 3.30 बजे वे बिछीवाड़ा पहुँचे और वन विभाग के रेस्ट रूम में कुछ देर रुकने के बाद आगे के सफर पर निकल पड़े। उनके इस्तकबाल के लिए कई गाड़ियों काफिला भी उनके साथ हो चला है। शीहाब रोजाना 25 से 30 किमी का सफर तय कर रहे है ऐसे में उदयपुर आने में उन्हें 3 दिन लग सकते है। बिछीवाड़ा में अजमेर दरगाह कमेटी के पूर्व सदर व राज्यमंत्री रहे असरार अहमद खान ने उनका इस्तकबाल किया। वे रात खेरवाड़ा में ही रुकेंगे जहाँ बड़ी संख्या में डूंगरपुर से पहुँचे लोग उनका इस्तकबाल करेंगे।शीहाब का सपना था कि वो पैदल हज करें और इस सपने को पूरा जून माह में इस सफर की शुरूआत कर दी। आज उनका 61वा दिन है। ये सफर उनका करीब साल भर का रहेगा। वे पाकिस्तान, ईरान, इराक, कुवैत होते हुए मक्का शरीफ पहुँचेंगे।

संस्कृत भारती भीलवाड़ा की जिला बैठक शाहपुरा के आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। संस्कृत भारती भीलवाड़ा जिले की बैठक आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय गांधीपुरी शाहपुरा में संपन्न हुई। बैठक में प्रांत सह मंत्री मधुसूदन शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा है कि संस्कृत भारत की आत्मा है। देववाणी संस्कृत को फिर से जन भाषा बनाने के लिए संस्कृत भारती कार्यकर्ता निरंतर समाज में लगे हुए हैं। प्रांत संपर्क प्रमुख परमानंद शर्मा ने कहा कि श्रावणी पूर्णिमा रक्षाबंधन को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है और संस्कृत भारती इस अवसर पर संस्कृत सप्ताह का आयोजन करती है। कार्यकर्ताओं को अपने अपने क्षेत्र में संस्कृत सप्ताह का सफल आयोजन करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अजयमेरु भीलवाड़ा विभाग सह संयोजक परमेश्वर प्रसाद कुमावत ने कार्यकर्ताओं को समर्पित भाव से संस्कृत भाषा उत्थान के लिए प्रयास करने की बात कही। जिला मंत्री शंकर लाल सेन ने बताया कि बैठक में वर्षभर की योजनाओं पर चर्चा की गई एवं संस्कृत सप्ताह के सफल आयोजन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के प्रारंभ में पूजा गुर्जर ने ध्येय मंत्र का वाचन किया। अनुसूया भट्ट ने संस्कृत गीत बोला। बैठक में जिले के दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सह जिला मंत्री कैलाश चंद्र मेघवाल, शिक्षण प्रमुख ओम प्रकाश साहू, सह शिक्षण प्रमुख मनोहर, संपर्क प्रमुख जगदीश साहू, प्रचार प्रमुख रामेश्वर लाल रेगर, साहित्य प्रमुखा पूजा गुर्जर, जाहजपुर तहसील संयोजिका अनुसुइया भट्ट, फुलिया कला तहसील संयोजिक अभिषेक प्रजापत, कोटडी तहसील संयोजक दिलखुश बैरवा, रूपपुरा ग्राम प्रमुखा प्रियंका गुर्जर की घोषणा की गई। इस अवसर पर प्रांत सह मंत्री मधुसूदन शर्मा, प्रांत संपर्क प्रमुख परमानंद शर्मा, अजमेर विभाग सह संयोजक परमेश्वर प्रसाद कुमावत, भीलवाड़ा जिला मंत्री शंकर लाल सेन, रामेश्वर लाल रेगर जगदीश साहू, पूजा गुर्जर, अनुसूया भट्ट, अभिषेक प्रजापत, राकेश कुमार माली आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

नागरबस्ती में लगा फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। वारिसनगर प्रखंड के हांसा पंचायत के अंतर्गत नागरबस्ती स्थित मिडिल स्कूल के नजदीक रहमानिया होम्यो केयर की ओर से फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में नागरबस्ती के अलावा बहादुरगंज, महराजगंज, नूरगंज, डैनीमन आदि गांव के मरीजों का हुजूम देखा गया। रहमानिया होम्यो केयर के डॉक्टर नूर हसन ने बताया कि आज के कैंप कुल 70 मरीजों को देखा गया और उन्हें मुफ्त में दवाएं भी दी गई। उन्होंने बताया कि रहमानिया होम्यो केयर में विशेष तौर पर किडनी एवं बांझपन का सफल ईलाज किया जाता है। अब इन मरीजों को उपचार के लिए शहर कि ओर नहीं जाना पड़ेगा, इन सभी मरीजों का उपचार नागरबस्ती स्थित रहमानिया होम्यो केयर में किया जा सकता है। फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन को सफल बनाने में डॉक्टर एम इकराम, डॉक्टर इस्तेखार अहमद, मो0 इरशाद, अब्दुल कादिर, मो0 चांद खां, मोहित कुमार, विनोद कुमार शर्मा आदि ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

सर्वसमुदाय के धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत/गणमान्य व्यक्तियों, डिजिटल वालंटियर, ताजियादारों के साथ बैठक का आयोजन किया गया

संवाददाता/आसिम अजीज/सलीम खान

रामपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, बरेली राजकुमार व पुलिस उप महानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद श्री शलभ माथुर व जिलाधिकारी, रामपुर रविन्द्र कुमार मॉदड़ व पुलिस अधीक्षक, रामपुर अशोक कुमार शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर डा, संसार सिंह द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से जिला सहकारी बैंक, रामपुर स्थित सभागार कक्ष में की गयी पीस केमटी की बैठक। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत, जिला सहकारी बैंक, रामपुर स्थित सभागार कक्ष में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों अंतर्गत सर्वसमुदाय के धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत/गणमान्य व्यक्तियों, डिजिटल वालंटियर, ताजियादारों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रतिभाग करने वाले लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये। उपस्थित लोगों से त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई। ताजियादारों से किसी भी नए ताजिया मार्ग के निर्माण न करने व किसी नई परंपरा से बचने की अपील की गई। साथ ही ताजिया मार्ग में बिजली के तारों की व्यवस्था देखने व मार्ग की साफ-सफाई के संबंध में संबंधित को निर्देशित किया गया। सरकार द्वारा जारी किये गये गाइडलाइन का पालन करते हुए सभी लोग आपस में मिलजुल कर आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ अपना अपना त्योहार मनाएं। यदि किसी भी व्यक्ति के संज्ञान में असामाजिक व अराजकता सम्बंधी कोई मामला आता है तो तुरंत सम्बंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं, जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए। रामपुर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान जनपद के अन्य अधिकारीगण/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

तिरंगा जागरूकता अभियान!

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। जिला के रोसड़ा प्रखंड क्षेत्र में सैनिक स्कूल सोसायटी दिल्ली के तत्वावधान में सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल बटहा के छात्र छात्राओं ने रोसड़ा अनुमंडलीय मुख्यालय स्थित गांधी स्मारक स्थल से सिनेमा चौक टावर तक तिरंगा जागरूकता अभियान चलाकर आमलोगों को जागरूक किया। रोसड़ा शहर 'भारत माता की जय' 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' 'वंदे मातरम' जैसे देशभक्ति के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। मीडिया प्रभारी विजयव्रत कंठ ने जानकारी दी कि विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार ने अभियान दल को हरी झंडी दिखाकर विद्यालय परिसर से रवाना किया। प्रधानाचार्य देवानंद दूरदर्शी की अगुआई में अदिति, प्रिया, अनन्या, नम्रता, शांभवी, सुधांशु, प्रशांत, अभिषेक, दिव्यांश, आदि सैकड़ों छात्र छात्राओं ने चिलचिलाती धूप के वाबजूद इस अभियान में गर्मजोशी से भाग लिया। मौके पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों में कैलाश पोद्दार, रिंकी कुमारी, राहुल तिवारी, पूर्व सैनिक हृषिकेश सिंह आदि तत्पर रहे। नगरवासियों द्वारा इस जनजागृति अभियान की जमकर सराहना की जा रही है।

चंबल में क्रांतिकारी पहलवानों की गाथाएं आज भी अजर अमर हैं

स्वतंत्र लेखक शाह आलम राना की कलम से...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नागपंचमी का मौका पहलवानी के दांव पेंच को भी आजमाने का होता है। ऐसे में यमुना-चंबल के बीहड़ों का रुख करें तो यहां आजादी से पहले और बाद के हालातों में बहुत कुछ बदला है। ऐसे ही एक बुजुर्ग और अपने समय के जिलाजीत रहे लाल पहलवान से मुलाकात हुई तो यादों के पिटारे से तमाम कहानियां कुछ यों नुमाया होती गईं। जालौन, इटावा और भिंड जनपद की सीमा पर बसा है सुल्तानपुरा।

यानि कि हमारे चंबल आश्रम के हुकुमपुरा से महज एक किमी दूर। एक तरफ बिलायती बबूल के झाड़ियों से घिरा तो वहीं दूसरी तरफ सिंध नदी के तट पर बन रहे पुल के निर्माण का नजारा। गांव में दाखिल होते ही पुराने कच्चे मकान के ओसारे में विशालकाय बुजुर्ग अकेले बैठे हैं। नाम है शत्रुघ्न सिंह उर्फ लाल पहलवान। 80 वर्षीय लाल पहलवान से बातचीत का सिलसिला जब चलता है तो लाल पहलवान कुछ देर के लिए पुराने दिनों के सिनेमाई पर्दे से निकल, लंबी सांस भर यादों की पोठली खोलते हैं। जिसे वक्त की मार और जवान बेटे की अपने सामने हुई हत्या ने धुंधला और खुरदरा कर दिया है। चिलम बनाते हुए अपने बचपन के दिनों को याद कर कहते हैं कि उन दिनों तो हर घर में पहलवान हुआ करते थे। हम लोगों की यहीं अखाड़े पर जोर आजमाइश होती थी। आस-पास के कई साथी पहलवानों के नाम गिनाते हुए बताते हैं कि यह सब अब इस दुनिया से धीरे-धीरे रुख्सत हो गए। जिनमें पान सिंह गुर्जर हमारे ही गांव के जिलाजीत पहलवान थे जो बाद में रेफरी का काम करते थे। फूल सिंह चौहान भी बिलौड़ के बड़े पहलवान माने जाते थे। बिलौड़ के ही रघुनाथ गुर्जर भी बड़े नामी पहलवान थे। जो कि दस्यु सरगना सलीम गुर्जर के पिता थे। पास ही इटावा जनपद का एक बीहड़ी गांव है सिंडौस, जो ठगी के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है। इस गांव की ठगी पर 1839 से लेकर अब तक अंग्रेजी में टेलोर से लेकर वेगनर तक ने कई बड़ी मोटी-मोटी किताबें लिखीं हैं। सिंडौस का दंगल काफी प्रसिद्ध रहा है। इसी दंगल में पहली बार लाल पहलवान को बड़ा मंच मिला और उन्होंने जालौन जनपद के नामी पहलवान बड़े सिंह को चित कर दिया। इनाम मिला एक पीतल की बाल्टी और 5 रुपए। उन दिनों आमतौर पर दंगल में इनाम के तौर पर अक्सर लंगोट ही मिलती थी। लाल पहलवान देखते ही देखते अपने दौर के जिलाजीत पहलवान बन गए। लाल पहलवान का आखिरी दंगल भिंड जनपद के गोहद में हुआ। पचास हजार से ज्यादा की भीड़ के सामने जहां उन्होंने मुरैना जनपद के नामी पहलवान काशी प्रसाद को पटखनी दी। इनाम मिला 101 रुपये। यह 101 रुपये आज के नहीं 1965 के थे। इस दंगल के बाद उन्होंने कुश्ती लड़ना छोड़ दिया। बात चली तो जिलाजीत दो पहलवान मित्रों का जिक्र उन्होंने कर डाला। पहला औरैया के गंगदासपुर के भोला सिंह पहलवान का। भोला सिंह सुविख्यात पहलवान और राज्यमंत्री रहे लेकिन उनका गांव गंगदासपुर सुर्खियों में रहा दस्यु स्त्रमाट निर्भय सिंह गर्जुर के घर की वजह से। दूसरा जालौन जनपद के चुर्खी के रहने वाले कृष्णा सिंह का। कृष्णा सिंह ने पहलवानी की बदौलत फोर्स में नौकरी भी की। आप तो जानते ही होंगे कि चुर्खी बहुत ऐतिहासिक जगह है जहां रानी लक्ष्मीबाई की सौतेली बहन गोपिका ब्याही गईं थीं। जंगे आजादी 1857 के दौरान लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे भी कुछ समय चुर्खी में रहे। आखिर बातचीत के बाद तय हुआ कि सुलतानपुरा के बगल भैरवजी स्थान पर विशाल पाकड़ के पेड़ के पास आखिरी सांस गिन रहे अखाड़े को फिर से जीवनदान दिया जाए। इसी बहाने उस दिन सभी पुराने जिलाजीत पहलवान इस कार्यक्रम के गवाह भी बन जाएं। नई पीढ़ी को जानकर यह हैरानी होगी कि लाल पहलवान उन दिनों एक पाव घी और ढाई लीटर दूध की खुराक एक बार में लेते थे। आजादी के हीरक वर्ष में मुकुंदीलाल गुप्ता की याद में बीते सर्दियों में 'चंबल दंगल' करने की योजना तो बनी लेकिन कोविड नियमों की वजह से जमीन पर उतर न सकी।

औरैया के मुकुंदीलाल गुप्ता को इतिहास कालखंड से ही भुला दिया गया। जबकि उनके साथी चोटी के क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें 'भारतवीर' के खिताब से नवाजा था। भारतवीर को अगर आप नहीं जानते तो इसमें मेरा कोई कसूर नहीं। जिन संस्थानों को परिचित कराना था वह इतना ढह गए कि उनको उनका फर्ज भी याद नहीं रहा। जिक्र छिड़ा तो इसी बहाने भारतवीर को याद ही कर लिया जाए। औरैया निवासी मुकुंदीलाल गुप्ता आला दरजे के पहलवान थे। बताया जाता है कि उन दिनों वह किसी बारात में गए थे। किसी ने बारात में अंग्रेजी हुकुमत की तारीफ की तो मुकुंदीलाल आग बगूला हो गए। यह देखकर बाद में किसी ने मुकुंदीलाल को गेंदालाल दीक्षित से मुलाकात करा दी। आजादी योद्धा गेंदालाल दीक्षित औरैया के डीएवी कालेज के प्रिंसपल थे। यह भेंट सोने पर सुहागा साबित हुई। मुकुंदीलाल आजादी आंदोलन में शरीक हो गए और गेंदालाल दीक्षित के खुफिया दस्ते में रामप्रसाद 'बिस्मिल' के साथ काम करने लगे। भेद खुला और मुकुंदीलाल की मैनपुरी षड्यंत्र केस में गिरफ्तारी हुई। पूरी सजा काटने के बाद जेल से रिहा हुए तो उनके साथी बिस्मिल ने काकोरी ट्रेन डकैती का खाका बना लिया था। 9 अगस्त, 1925 की देर शाम सहारनपुर से आ रही 8 डाउन पैसेंजर गाड़ी की चेन खींचकर महज दस क्रांतिकारियों की टोली ने सरकारी खजाना हथिया लिया। मुकुंदीलाल ने ही फुर्ती से गार्ड के डिब्बे में चढ़कर पैसों का बक्सा नीचे ढकेल दिया। काकोरी केस में मुकुंदीलाल को आजीवन कारावास की सजा मिली थी।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग द्वारा परमात्मा की अनुभूति सम्भव: मनीष आर्य

चौधरी ने यज्ञ और वृक्षारोपण करके 65वां जन्म दिन मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आर्य समाज राज नगर में आर्य केन्द्रीय सभा के प्रधान सत्यवीर चौधरी ने यज्ञ एवं वृक्षारोपण कर अपना 65 वाँ जन्म दिन हर्षोल्लास से मनाया। यज्ञ के ब्रह्मा युवा विद्वान मनीष आर्य हिसार ने यज्ञ सम्पन्न कराया और जन्म दिवस पर आशीर्वाद प्रदान किया, उन्होंने आगे कहा कि आज मानव की दौड़ भौतिकवाद की ओर तेजी से हो रही है, अध्यात्मवाद से दूर और भौतिकवाद की ओर अग्रसर होने के कारण व्यक्ति दुखी है। उन्होंने तीन प्रकार के दुखों परिणाम,ताप और संस्कार की विस्तृत चर्चा की। बोले कि यदि आप आनन्द पाना चाहते हो तो परमेश्वर की शरण में आना होगा, उपासना, ध्यान करने से सच्चा आनंद प्राप्त हो सकेगा। महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग द्वारा आनंद के अथाह भण्डार परमात्मा की अनुभूति सम्भव है। योगी प्रवीण आर्य एवं नरेश आर्य ने जन्म दिन पर बधाई गीतों के माध्यम से शुभ कामनाएं व्यक्त की। श्रद्धानंद शर्मा ने पर्यावरण सन्तुलन पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि पीपल कार्बन डाई ऑक्साइड का 100% एबजार्बर है, बरगद

80% और नीम 75% अतः हर 500 मीटर की दूरी पर एक पीपल का पेड़ लगाये तो आने वाले कुछ वर्ष बाद प्रदूषण मुक्त भारत दिखेगा। पीपल के पत्ते का फलक और डंठल अधिक पतला होता है, जिसकी वजह से शांत मौसम में भी पत्ते हिलते रहते है और स्वच्छ ऑक्सीजन देते रहते है वैसे भी पीपल को वृक्षों का राजा कहते है। इन जीवनदायी पेड़ों, कल्प वृक्ष आदि को ज्यादा से ज्यादा लगाने का संकल्प कराया। यशस्वी मंत्री श्री सत्यवीर चौधरी ने अपने जन्म दिन को वृक्षरोपण करके मनाया उन्होंने आज रोड के किनारों और दयानन्द वाटिका में नीम, पीपल, गुल्लर, जामुन, कदम आदि अनेक वृक्षारोपण किये व अन्य उपस्थित श्रोताओं को वृक्षारोपन कर जन्म दिन मनाने का संकल्प कराया। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती आशा चौधरी, वन्दना अरोड़ा, शिल्पा गर्ग कोशल गुप्ता सर्वश्री, ओमप्रकाश आर्य सुभाष गर्ग, मगन सिंह त्यागी हरशरण त्यागी, प्रवीण आर्य, सुभाष चंद्र गुप्ता,शशिबल गुप्ता, आई सी अग्रवाल, शंकर लाल शर्मा, सुधीर धमीजा जगवीर सिंह सुबोध चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आर्य समाज के प्रधान श्री वीएन सरदाना जी ने सभी आगंतुकों का स्वागत एवं धन्यवाद किया। शांति पाठ एवं जलपान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मोहर्रम एकता कमेटी व सभी मोहर्रम लाईसेंसदारो की बैठक आयोजित हुई

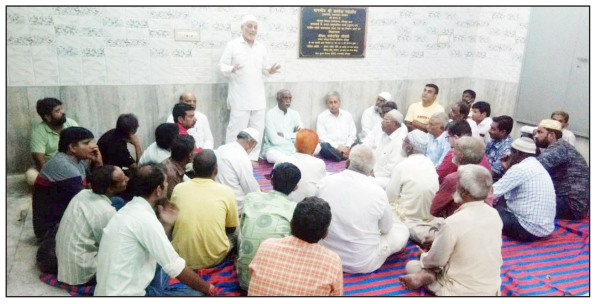

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मुहर्रम एकता कमेटी व सभी मोहर्रम ताजियो के लाईसेंसदारो की एक अहम बैठक आयोजित हूई जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की बंबा बारी राजीव गांधी वाचनालय मे उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, उस्ताद सुबराती खान अबासी उस्ताद रफिक कुरेसी, उस्ताद अ वहीद खान, के नेतृत्व मोहर्रम की तैयारीया को लेकर जोधपुर के तमाम मोहर्रम के लाईसेंसदारो व खलीफाओ ने हिस्सा लिया जिसमे मोहर्रम पर्व के समय मे आने वाली तमाम परेसानियो से समिति को अवगत कराया व लिखित रूप मे सभी समस्या को समिति को सौंपी बैठक के चलते अध्यक्ष बक्ष ने सभी समस्याओं को जल्द ही समाधान करवाने का अश्ववाशन दिया व सभी लाईसेंसदारो को कौमी एकता व सदभावना भाईचारगी का पैगाम देते हुए मोहर्रम पर्व मनाने को कहा ओर झूठी अफवाहो पर बिल्कुल भी घयान नही देने को कहा दो साल कोरोना जेसी वेशविक महामारी के चलते मोहर्रम पर्व नही मना पाये तो इस साल सभी मिलजुल कर इस पर्व को मनाने को कहा।

बैठक में यह रहे मौजुदः नियामत पठान, शमशुदिन चूनंदडीघर, मंसुर अली, वफाती, गुलाम शबर, अ लतीफ, मो आबिद, मो जावेद, मो फारूक, मूबसर खान, मो इमरान, फिरोज खान, शोएब खान, मेहबूब भूरा भाई, रियाज मुल्ला जी ,अ.गफार, अ.शकूर, बबन खान,मो साबिर,रशीद खान,शाहीद खान,रईस बक्ष, जुनेद पठान, अ लतीफ, जलालूदीन सामरिया, तसलीम खिलजी, इसलामुदीन,व सभी मोहर्रम एकता कमेटी के सदस्य भी शामिल थे।

उलमाओ को इस तरह के फतवों से परहेज करना चाहीए

एक कलाकार पर उसके सभी प्रशंसकों का अधिकार होता है, अब वो चाहे किसी भी धर्म जाति या देश के हो

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। कावड़ यात्रा के दौरान, हर हर शंभू टाइटल नाम से भजन गाकर सभी शिव भक्तों के दिलो पर राज करने वाली यूट्यूब सनसनी फरमानी नाज का अब कुछ कट्टरपंथी धार्मिक उलेमाओं ने विरोध करना शुरू कर दिया है सुनने में आ रहा है कि हर हर शंभू महादेवा भजन को लेकर कुछ देवबंदी उलेमाओं ने फतवा भी जारी किया है हालांकि इस बात की अभी तक कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है खुद फरमानी नाज ने एक चैनल को दिए गए इंटरव्यू में इस बात खंडन भी किया है की फतवे वाली बात अभी मेरे संज्ञान में नहीं है लेकिन सुनने में आ रहा है, कावड़ यात्रा के दौरान फरमानी नाज ने शिव भक्तों के लिए हर हर शंभू महादेवा भजन गाकर सनसनी फैला दी है ,पूरे कावड़ यात्रा के दौरान अगर सबसे ज्यादा कोई भजन सुनने को मिला तो वह हर हर शंभू महादेवा था, इस भजन से फरमानी नाज को फर्श से अर्श तक तो पहुंचा दिया लेकिन वही इसका विरोध भी शुरू हो गया है कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों ने सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है कुछ उलेमाओं ने तो एक मुस्लिम का इस तरह के भजन गाने को भी हराम करार दे दिया, हालांकि कुछ लिबरल सोच के मुस्लिम स्कॉलर और वामपंथी विचारधारा के लोग फरमानी नाज को इस भजन के लिए समर्थन दे रहे हैं और उसके साथ खड़े हैं, कुछ उलेमाओं द्वारा जब इस भजन का विरोध खुलकर सामने आया तो देश की सभी मेंस्ट्रीम की मीडिया में यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई और देश के सभी टीवी चैनलों पर इसी विषय पर ही डिबेट हो रही है, जितना प्रसिद्ध यह भजन विरोध करने के बाद हुआ शायद इतना प्रसिद्ध यह तब ना हुआ होगा जब यह भजन फरमानी द्वारा यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। इस संबंध में जब कई चैनलों ने फरमानी नाज से पूछा कि आपके इस भजन का विरोध हो रहा है आप क्या कहना चाहेगी, तो फरमानी नाज ने बड़े आत्मनिर्भरता से कहा कि मैं एक कलाकार हूं तो कलाकार का कोई धर्म नहीं होता कलाकार के ऊपर उसके हर प्रशंसक का अधिकार होता है चाहे वह किसी भी धर्म का हो किसी भी जाति का हो किसी भी देश का हो, मैं सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से गाती हूं और मयार्दा में रहकर गाती हूं। फरमानी नाज उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के मोहम्मदपुर गांव

की रहने वाली है फरमानी नाज की शादी मेरठ के छोटे हसनपुर गांव में हुई थी लेकिन फरमानी नाज के पति का अन्य लड़कियों से भी अफेयर था वह आए दिन फरमानी को मारता पीटता था जिस से आहत होकर फरमानी नाज अपने एक साल के बेटे को लेकर अपने मायके में ही रहने लगी और सिंगिंग को अपना करियर बना लिया फरमानी नाज 2020 में इंडियन आइडियल में भी प्रतिभाग कर चुकी है लेकिन बेटे की बीमारी की वजह से वह इंडियन आइडियल के शो को बीच में ही छोड़कर आ गई, फरमानी का यूट्यूब पर अपना चैनल भी है जिसमें वह आए दिन अपनी आवाज के गाने रिलीज करती रहती है आज फरमानी नाज के लाखों सब्सक्राइबर हैं और लाखों लोग फरमानी को सुनना पसंद करते हैं, आए दिन फरमानी नाज की फ्रेंड्स फ्लोइंग बढ़ती जा रही है। सच तो यही की किसी भी कलाकार का कोई धर्म जाति नहीं होती वह सिर्फ एक कलाकार है यही उसकी सोच होनी चाहिए, यदि एक मुस्लिम लड़की ने कावड़ यात्रा के दौरान शिव भक्तों के लिए हर हर शंभू महादेवा गाना गाकर शिव भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया तो इसमें धर्म कहां से आड़े आ गया, अब से पहले भी देश में जितने भी पॉपुलर भजन है वह ज्यादातर मुस्लिम फनकारों ने ही गाय हैं और मुस्लिम गीतकारो ने ही लिखे हैं, इनमे मुख्य रुप से मोहम्मद रफी, मास्टर सलीम, बेगम अख्तर, शकील बदायूंनी, साहिर लुधियानवी, मजरूह सुल्तानपुरी, आदि और भी कई नाम प्रसिद्ध है, जिन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद भी भजन गाए भी हैं और भजन लिखे भी हैं, उनके लिए किसी भी धार्मिक कट्टरपंथी सोच के व्यक्ति ने कोई विरोध या फतवा जारी नहीं किया, क्या यह सभी लोग मुस्लिम नहीं थे? या फिर फरमानी को ट्रोल इसलिए किया जा रहा है कि वह एक छोटी फनकार है, उसकी गलती ये है की उसने अपने आप को संभालने के लिऐ कड़ी मेहनत की है, खुद मेने आज से पहले फरमानी को कभी सीरियस होकर नहीं सुना था, लेकिन जब से मैंने मीडिया में हर हर शंभू महादेवा भजन के विरोध की चर्चा सुनी तो फरमानी के इस भजन को सुनने कि मेरे अंदर जिज्ञासा हुई तभी मैंने फरमानी का हर हर शंभू महादेवा भजन सुना तो वास्तव में मैंने आज से पहले कभी इतना अच्छा भजन नहीं सुना, सबसे अच्छी बात तो यह है की बिना किसी प्रैक्टिस के बिना किसी रियाज के बिना किसी गुरु के संस्कृत के कठिन से कठिन शब्दों का इतने अच्छे तरीके से उच्चारण करना यह आसान काम नहीं है, जब से मैंने फरमानी का यह भजन सुना तो मैं भी फरमानी का बहुत बड़ा फैन हो गया हूं। फरमानी एक जमीन से जुड़ी हुई संघर्षशील लड़की है, जिसने बहुत सारे कष्टों को दरकिनार करते हुए अपने और अपने समाज के लिए कुछ करना चाहा है, फरमानी अपने लिए ही नही अपने जेसी हजारों बेसहारा लड़कियों की आइडियल है, उसका विरोध करना कहा तक जायज है, धार्मिक उलेमाओं को चाहिए इस तरह के फतवे बाजी से परहेज करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आपके चेहरे और स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं ये आदतें

अगर हर तरह के स्किन केयर प्रॉडक्ट इस्तेमाल करने के बाद भी आपकी स्किन खराब हो रही है, उसकी चमक गायब हो गई है और आप अपने चेहरे से खुश नहीं हैं तो हो सकता है आपकी हर दिन की कुछ गलत आदतों का खामियाजा आपकी स्किन को भुगतना पड़ रहा हो। घरेलू नुस्खे और मेकअप प्रॉडक्ट्स पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने की बजाए अपनी डेली हैबिट्स पर एक बार नजर डालें, हो सकता है आपके बदरंग चेहरे और स्किन की वजह आपकी अपनी गलत आदतें हों...

तला-भुना खाना

अगर आपको जरूरत से ज्यादा तला-भुना खाना पसंद है, अगर आप फ्रेंच फ्राइज की शौकीन हैं, पटेटो और चिकन नगेट्स खाए बिना आपका दिन पूरा नहीं होता तो आपका दिल टूट सकता है क्योंकि बहुत ज्यादा तला-भुना खाने से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिस वजह से कील-मुंहासें होने लगते हैं और अगर ये समस्याएं एक बार हो जाएं तो फिर जल्दी ठीक भी नहीं होती।

गर्म पानी से फेस वॉश

अगर आप सोचती हैं कि गर्म पानी से फेसवॉश करने से आपका चेहरा अच्छी तरह से साफ हो जाएगा तो आप पूरी तरह से गलत हैं। नहाने के लिए या फिर चेहरे धोने के लिए अगर आप बहुत ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करती हैं तो इससे स्किन पर मौजूद नैचरल ऑइल धुल जाते हैं। नतीजतन मॉइश्चर खो जाता है और स्किन ड्राई हो जाती है।

ज्यादा स्क्रब का इस्तेमाल

आपने बहुत सी लड़कियों को देखा होगा कि वे अपनी स्किन की रंगत निखारने के लिए हर दिन स्क्रब का इस्तेमाल करती हैं। स्किन को बहुत ज्यादा रगड़ने से या हर दिन स्क्रब करने से आप गोरी हो जाएंगी, ऐसा सोचना पूरी तरह से मिथक है। हकीकत यह है कि हर दिन स्क्रब का इस्तेमाल करने से न सिर्फ आपकी स्किन को नुकसान पहुंचता है बल्कि रंगत निखरने की बजाए स्किन का रंग और डार्क हो जाता है।

बिना देखे कॉस्मेटिक खरीदना

सिर्फ ब्रैंड का नाम देखकर कोई भी कॉस्मेटिक खरीद लेना, यह सबसे बड़ी गलती है जो ज्यादातर महिलाएं और लड़कियां करती हैं। कई बार किसी क्रीम का विज्ञापन आता है कि इसे लगाने से आपका चेहरा गोरा हो जाएगा या फिर झुर्रियां और दूसरी समस्याएं दूर हो जाएंगी तो यह जाने बगैर की वह क्रीम आपकी स्किन के लिए सूटेबल है या नहीं महिलाएं उसका इस्तेमाल करने लगती हैं। ऐसा बिलकुल न करें। कोई भी कॉस्मेटिक इस्तेमाल करने से पहले उसका पैच टेस्ट जरूर करें।

Face Wash करते वक्त कहीं आप भी तो नहीं कर रहीं ये गलतियां

अगर हम आपसे कहें कि आप अब तक अपना चेहरा गलत तरीके से धो रहे थे, तो आप कहेंगे कि फेसवॉश करने में ऐसा क्या खास है जो इसके कुछ नियम कानून होंगे या फिर सही-गलत तरीका। तो हम आपको बता दें कि फेस वॉश करते वक्त आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, वरना नुकसान आपके चेहरे और स्किन को भी उठाना पड़ सकता है।

हर रात चेहरा न धोना - बदलते मौसम और हर दिन बढ़ते पलूशन लेवल की वजह से शरीर के साथ-साथ आपके चेहरे को भी पसीना, धूल, बैक्टीरिया का सामना करना पड़ता है। लिहाजा हर रात सोने से पहले चेहरा धोना बेहद जरूरी है। रात के समय आपके शरीर के साथ-साथ फेस भी रिपेयर मोड में चला जाता है, लिहाजा अगर आप रात के वक्त फेसवॉश नहीं करते तो फेस के पोर्स बंद हो जाते हैं जिससे आपकी स्किन रफ हो सकती है और कील-मुंहासे भी हो सकते हैं।

फेस को रगड़कर तौलिए से पोंछना - अगर आप फेसवॉश करने के बाद चेहरा पोंछने के लिए तौलिए का इस्तेमाल कर रहे हैं तो तौलिए से रगड़कर चेहरा पोंछने के बजाए हल्के हाथ से चेहरे को तौलिए से सुखाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप चेहरे को रगड़कर पोंछते हैं तो चेहरे पर झुर्रियां और बारीक लाइन्स पड़ने की आशंका रहती है। इतना ही ज्यादा रगड़ने से चेहरे पर रेडनेस भी हो सकती है।

बियर के भी हैं कई ब्यूटी बेनेफिट्स

फेसवॉश करने का सही तरीका क्या हैं, जानें

तौलिए को न बदलना - हर दिन अलग-अलग तौलिए से चेहरा पोंछे। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप चेहरा या शरीर पोंछने के लिए तौलिया यूज करते हैं तो तौलिए पर बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं और फिर अगले दिन जब आप फेसवॉश कर वही टॉवल यूज करते हैं तो तौलिए में लगे बैक्टीरिया चेहरे पर वापस चिपक जाते हैं जिससे चेहरे पर कील-मुंहासे होने का खतरा रहता है।

2 बार से ज्यादा चेहरा धोना - आपके चेहरे में नमी और पोषक तत्व बने रहें इसके लिए जरूरी है कि चेहरे में मौजूद नैचरल ऑइल बरकरार रहें। लेकिन अगर आप दिनभर में 2 बार से ज्यादा फेसवॉश करते हैं तो आपका चेहरा ड्राई और डल हो जाएगा क्योंकि ज्यादा फेसवॉश करने से चेहरे में मौजूद नैचरल ऑइल खत्म हो जाएगा।

फेसवॉश से पहले हैंडवॉश करें

यह बेहद सिंपल लेकिन सबसे जरूरी है। अगर आपके हाथ गंदे होंगे तो आपका चेहरा साफ कैसे होगा? लिहाजा हर बार फेसवॉश करने से पहले हैंडवॉश करें क्योंकि ऐसा न करने पर हाथों में मौजूद गंदगी और बैक्टीरिया चेहरे पर चिपक जाएंगे।

गलत क्लेन्जर का इस्तेमाल - हो सकता है कि आपकी दोस्त कोई नया फेसवॉश या क्लेन्जर लेकर आयी हो जिससे उसकी स्किन को काफी फायदा हो रहा है और वह ग्लोइंग लग रही हो लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वही क्लेन्जर आपके लिए भी बेहतर साबित होगा। आपकी स्किन टाइप, आपकी दोस्त के स्किन से अलग है लिहाजा ऐसे फेसवॉश या क्लेन्जर का इस्तेमाल करें जो आपकी स्किन टाइप को सूट करे।

भूलकर भी अखबार में न लपेटें खाना, कैंसर का है खतरा

क्या आपको भी स्ट्रीट फूड खाना पसंद है? अगर हां तो आपने भी सड़क किनारे ठेला लगाने वालों से अखबार से बने कोन में बिकने वाली भेल, चाट या चना जोर गरम जरूर खाया होगा। या फिर कभी-कभार चाय की दुकान पर बिकने वाले गर्मा गर्म पकौड़े जिसे दुकानदार अखबार के ऊपर रखकर देता है। उन चीजों को खाते वक्त भले ही आप इस बात पर ध्यान न देते हों कि वह खाने को किस कागज पर सर्व कर रहा है लेकिन अब आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

जी हां, हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अखबार में लपेटकर या अखबार यानी न्यूजपेपर पर रखकर दिए गए खाने को खाने से कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यही वजह है कि फूड सेफ्टी ऐंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी FSSAIअक ने एक अडवाइजरी जारी कर अखबार या प्लास्टिक पर खाना देने की मनाही कर दी है।

फूड अथॉरिटी की मानें तो अखबार में लपेटकर रखे गए फूड आइटम को खाना कई तरह से जानलेवा साबित हो सकता है क्योंकि अखबार की स्याही में मल्टिपल बायोऐक्टिव मटीरियल मौजूद होते हैं जिससे शरीर पर नकारात्मक असर पड़ता है और अगर यह स्याही खाने के जरिए शरीर के अंदर पहुंच जाए तो कैंसर समेत कई दूसरी खतरनाक बीमारियां भी हो सकती हैं।

बहुत ज्यादा गर्म चाय पीने से गले के कैंसर का खतरा

सर्दियों के मौसम में गर्मा गर्म चाय या कॉफी या सूप पीने का अपना ही मजा है। सुरुक-सुरुक कर गर्म-गर्म चाय पीना भले ही हम सबको अच्छा लगता हो लेकिन सेहत के लिहाज से यह आदत पूरी तरह से गलत है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला चाय-कॉफी या सूप भी कोई ठंडी पीने की चीज है क्या? तो जनाब, चाय या कॉफी के कप में आने के कम से कम 4 से 5 मिनट बाद ही इसे पीना सेहत के लिए सही माना जाता है।

गर्म चाय से गले के टिशूज को होता है नुकसान

दरअसल, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में भी यह बात सामने आ चुकी है कि बहुत ज्यादा गर्म चाय या कॉफी पीने से हमारे भोजन की नली में या फिर गले में कैंसर होने का खतरा आठ गुना तक बढ़ जाता है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि तेज गर्म चाय गले के टिशूज को नुकसान पहुंचाती है। चाय को आंच से उतारने के 2 मिनट के भीतर ही इसे पीने वालों को कैंसर का खतरा उन लोगों से 5 गुना बढ़ जाता है, जो 4 से 5 मिनट के बाद इसे पीते हैं।

कप में डालने के 4 से 5 मिनट बाद ही पिएं चाय

इस बात की पुष्टि के लिए एक रिसर्च भी की गई जिसमें करीब 50 हजार लोगों को चुना गया था और उन पर हुए अध्ययन के बाद यह बात सामने आई कि बहुत ज्यादा गर्म चाय या कॉफी गले को नुकसान पहुंचा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार चाय पीने और कप में डालने के बीच कम से कम 5 मिनट का अंतर जरूर होना चाहिए।

अल्सर और दूसरी बीमारियों का भी खतरा

सिर्फ गले का कैंसर ही नहीं बल्कि गर्म चाय पीने से ऐसिडीटी, अल्सर और पेट से जुड़ी तमाम बीमारियां हो सकती हैं। सिर्फ चाय ही नहीं, कोई भी चीज इतनी ज्यादा गर्म नहीं पीनी या खानी नहीं चाहिए जो पेट की झिल्ली को प्रभावित करे। हमें खाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम जो खा रहे हैं वह इतना ही गर्म हो कि उससे मुंह और गला ही नहीं, पेट भी न जले।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मल्लिका शेरावत के साथ काम करने से ए लिस्टर एक्टर्स का इंकार

मल्लिका शेरावत इन दिनों बड़े ही कंट्रोवर्सिअल बयान दे रही है। बॉलीवुड में उनकी वापसी के साथ ही उनकी चर्चाए तेज हो गयी। हाल ही में एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच को लेकर एक बड़ा बयान दिया था। एक बार फिर मल्लिका शेरावत सुर्खियों में हैं। हालांकि, वह किसी बोल्ड सीन की वजह से नहीं, बल्कि अपनी बोल्ड बयानबाजी को लेकर चर्चा में हैं। मल्लिका शेरावत ने फिल्म इंडस्ट्री की चकाचौंध भरी दुनिया के पीछे की हकीकत से पर्दा उठाया हैं। उनका कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में एक हीरोइन को मेल एक्टर्स कंट्रोल करते हैं। अब मल्लिका ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सभी ए लिस्टर एक्टर्स ने उनके साथ काम करने से मना कर दिया क्योंकि उन्होंने समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जो एक्ट्रेसेस उनकी बात मान लेती हैं वो उन्हें पसंद करते हैं। मल्लिका ने कहा, 'यह बहुत सिंपल है। वो उन एक्ट्रेसेस को पसंद करते हैं जिन्हें वो कंट्रोल कर सकते हैं और जो उनके साथ समझौता करेंगी। मैं उनमें से नहीं हूं। ये मेरी पर्सनालिटी नहीं है।' जब उनसे पूछा गया कि समझौता करने का क्या मतलब है तो वह आगे कहती हैं, 'बैठो, खड़े हो जाओ, कुछ भी। अगर हीरो आपको सुबह के 3 बजे कॉल करता है और कहता है कि मेरे घर आओ तो आपको जाना होगा। अगर आप उस सर्कल में हैं और वो फिल्म कर रहे हैं। अगर आप नहीं जाते तो फिल्म से बाहर हो जाएंगे।'

'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर बढ़ी आमिर की चिंता

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर लम्बे समय बाद फिर से बॉलीवुड में एंट्री लेने वाले हैं। और ऐसे में आमिर अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा के प्रमोशन में जोरो-शोरो से लगे हुए हैं। हालांकि ये बात भी सभी जानते हैं की आमिर भले ही बॉलीवुड में कम फिल्में करते हैं। लेकिन उनकी अधिकांश फिल्मे परदे पर हिट ही रहती हैं। ऐसे में अब जब आमिर खान पूरे चार साल बाद पर्दे पर लौट रहे हैं तो उनकी फैंस की एक्साइटमेंट भी कही न कही बढ़ती हुई दिख रही हैं। लेकिन इन सब के बावजूद आमिर खान अपनी फिल्म को लेकर काफी परेशान दिख रहे हैं। तो क्या आमिर के परेशानी के पीछे का राज जानते समझते हैं इस रिपोर्ट में। दरअसल आमिर की यह फिल्म रक्षाबंधन के मौके पर 11 अगस्त 2022 को रिलीज हो रही है। ऐसे में बातचीत के दौरान आमिर खान से पूछा गया कि ओटीटी कंटेंट की मौजूदगी में दर्शकों का माइंडसेट काफी बदला है। अब जब उनकी फिल्म रिलीज होने जा रही है तो क्या उन्हें इस बात की कोई चिंता सता रही है? इस पर आमिर खान ने कहा, 'बिल्कुल'।

रश्मिका के साथ बनी विक्की की जोड़ी!

पुष्पा-द राइज फेम रश्मिका मंदाना की डिमांड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। रश्मिका ने अभी अपना बॉलीवुड डेब्यू नहीं किया है मगर उससे पहले ही उनकी फैन फॉलोइंग काफी देखने को मिल रही है। रश्मिका इस समय 3 बॉलीवुड फिल्मों में काम कर रही हैं। अभिनेत्री की बढ़ती फैन फॉलोइंग को देखते हुए एक के बाद एक फिल्म उनके हाथ लगती जा रही हैं। वह रश्मिका मंदाना एक बार फिर बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल संग स्क्रीन स्पेस शेयर करती दिखने वाली हैं। रश्मिका और विक्की दोनों ने ही सेट शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों ने फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है। फैंस इस जोड़ी को एक बार फिर साथ देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। दरअसल, साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक गेंद की तस्वीर शेयर की है। इस गेंद पर हरे पेन से आंख, नाक और मुंह से एक चेहरा बनाया हुआ है। फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने अभिनेता विक्की कौशल को टैग करते हुए लिखा, 'जाहिर है, शूट के दिन आपके लिए यह मेरा लुक है।' रश्मिका की इंस्टा स्टोरी को विक्की कौशल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर रिशेयर किया है और रश्मिका को टैग करते हुए लिखा, 'सभी को हरे रंग के चेहरे के साथ खड़े होने के लिए कहा गया।' इसके बाद विक्की ने एक और इंस्टा स्टोरी पर गेंद को रिशेयर किया। और इस बार एक्टर ने रश्मिका मंदाना को टैग करते हुए लिखा, 'आपके साथ काम करना भी बहुत अच्छा रहा।'